क्यूआईपी से जुटाई गई रकम पहली बार 1 ट्रिलियन के पार

दीपक कोरगांवकर और पुनीत वाधवा
मुंबई/नई दिल्ली, 29 नवंबर

पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई रकम कैलेंडर वर्ष 2024 में 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। यह इस विकल्प से अब तक जुटाई गई सबसे अधिक रकम है।

कैलेंडर वर्ष 2024 में अब तक 80 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.13 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं जो कैलेंडर वर्ष 2023 की इसी अवधि की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। तब 35 कंपनियों ने 38,220 करोड़ रुपये जुटाए थे। पिछला उच्चतम स्तर कैलेंडर वर्ष 2020 में देखा गया था जब 25 कंपनियों ने क्यूआईपी के जरिये 80,816 करोड़ रुपये जुटाए थे।

अगर हम मौजूदा या खुले हुए क्यूआईपी पर विचार करें तो एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज और केबल और वायर फर्म केईआई इंडस्ट्रीज इस रास्ते से (अगर वे कामयाबी के साथ अंजाम तक पहुंचते हैं) कुल 8,000 करोड़ रुपये जुटा लेंगी। इस तरह कैलेंडर वर्ष 2024 में क्यूआईपी से जुटाई गई कुल राशि 1.21 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगी।

स्वतंत्र बाजार विश्लेषक अंबरीश बालिगा ने बताया कि कैलेंडर वर्ष 2024 न केवल द्वितीयक बाजारों के लिए अच्छा रहा है बल्कि पर्याप्त तरलता के बीच प्रवर्तकों के लिए धन जुटाने के लिए अहम साल भी रहा है। बहुत सारे प्रवर्तकों ने ऐसा ही किया और द्वितीयक बाज़ारों में उछाल का इस्तेमाल अपने लाभ के लिए किया और भविष्य में उपयोग के लिए धन जुटाया।

इस महीने यानी नवंबर में वॉकहार्ट, वरुण बेवरिजेज और जोमैटो ने भी 17,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे चालू महीने में अब तक जुटाई गई कुल राशि 25,000 करोड़ रुपये (गोदरेज प्रॉपर्टीज और केईआई इंडस्ट्रीज के क्यूआईपी सहित) हो गई है जो किसी एक माह में जुटाई गई दूसरी सबसे बड़ी राशि है। अक्टूबर 2024 तक 77 कंपनियों ने क्यूआईपी के जरिए 96,321 करोड़ रुपये जुटाए थे। इससे पहले अगस्त 2020 में कुल छह कंपनियों ने 39,032 करोड़ रुपये जुटाए थे। आंकड़ों से पता चलता है कि यह रकम एक महीने में क्यूआईपी के माध्यम से जुटाई गई अब तक की सबसे अधिक राशि है।

क्यूआईपी की बढ़ती रफ्तार

कैलेंडर वर्ष	इश्यू की संख्या	जुटाई गई रकम (करोड़ रु.)
2014	33	31,684
2015	32	19,065
2016	16	4,712
2017	43	56,152
2018	25	16,587
2019	11	35,238
2020	25	80,816
2021	35	41,997
2022	14	11,743
2023	45	52,350
2024*	80	1,13,321

* 28 नवंबर, 2024 तक

स्रोत : प्राइम डेटाबेस/एक्सचेंज

रकम का उपयोग

इस वर्ष क्यूआईपी से धन जुटाने वाली अधिकांश कंपनियों ने मुख्य रूप से पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के इरादे से यह कदम उठाया है जिससे कि वृद्धि के मौकों को फायदा उठाकर अपनी बैलेंस-शीट मजबूत की जा सके। इसके अलावा ये कंपनियां इस रकम का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय और सामान्य कंपनी कामकाज पर भी करने की योजना बना रही हैं।

इक्वेंटिस वेल्थ एडवाइजरी सर्विसेज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक मनीष गोयल ने कहा कि अक्सर तेजी वाले बाजारों के माध्यम के रूप में क्यूआईपी को देखा जाता है। क्यूआईपी तब ज्यादा सफल रहते हैं जब मूल्यांकन ऊंचा होता है और बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है। क्योंकि यह रास्ता कारोबारों के लिए न्यूनतम विनिवेश के साथ इक्विटी बढ़ाने का सुनहरा अवसर होता है।

ज़ोमैटो का 8,500 करोड़ रुपये का क्यूआईपी चालू कैलेंडर वर्ष में सबसे बड़े इश्यू में से एक है। फूड डिलिवरी प्लेटफ़ॉर्म का डार्क स्टोरों और गोदामों की स्थापना और परिचालन पर व्यय के लिए इस रकम का उपयोग करने का इरादा है। साथ ही क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और सॉफ्टवेयर सहित तकनीकी बुनियादी ढांचे और क्षमताओं में निवेश और तकनीकी क्षमताओं के विकास आदि में भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

दूसरी ओर, गोदरेज प्रॉपर्टीज ने भूमि और/या भूमि विकास अधिकार हासिल करने के अलावा सामान्य कंपनी कामकाज के लिए 6,000 करोड़ रुपये का क्यूआईपी लॉन्च किया है।

अदाणी पावर आगे

इस बीच, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने अगस्त में क्यूआईपी के माध्यम से 8,373 करोड़ रुपये जुटाए हैं जिससे यह भारतीय बिजली क्षेत्र में सबसे ज्यादा रकम जुटाने वाली कंपनी बन गई है। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने भी अक्टूबर में क्यूआईपी के जरिए 4,200 करोड़ रुपये जुटाए थे।

अनिल अग्रवाल के नियंत्रण वाले खनन समूह वेदांत ने 8,500 करोड़ रुपये जुटाए और संवर्धन मदरसन इंटरनैशनल ने इस साल की शुरुआत में क्यूआईपी के माध्यम से 4,938 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई।

दिलचस्प बात यह है कि जुलाई के बाद से लगभग 42 कंपनियों ने 72,293 करोड़ रुपये जुटाए हैं जो क्यूआईपी के माध्यम से जुटाई गई कुल रकम का 69 फीसदी है। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 79,000 के स्तर पर सपाट रहा है। बेंचमार्क सूचकांक 27 सितंबर को पहुंचे अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर 85,978.25 से 8 फीसदी नीचे आया है।

इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक और शोध प्रमुख जी चोकालिंगम ने कहा कि काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि कैलेंडर वर्ष 25 में द्वितीयक बाजार कैसा प्रदर्शन करते हैं। उत्साही बाजार यह सुनिश्चित करेगा कि धन जुटाने के लिए क्यूआईपी मार्ग कंपनियों के लिए सुलभ रहे।

गोयल ने कहा कि रिकॉर्ड प्रवाह और मजबूत व्यापार परिदृश्य के साथ बाजार अगले कुछ महीनों में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के और क्यूआईपी की उम्मीद कर रहा है। ऐसा लगता है कि रकम जुटाने का काम जोरों पर है और कारोबार में पहले से ज्यादा संभावना दिख रही है।

घरेलू निवेशकों से जोमैटो ने जुटाए 8,500 करोड़ रु.

निवेशकों में मोतीलाल ओसवाल, आईसीआईसीआई प्रू शामिल

आर्यमन गुप्ता
नई दिल्ली, 29 नवंबर

फूड डिलिवरी दिग्गज जोमैटो ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 8,500 करोड़ रुपये (1 अरब डॉलर) जुटाए हैं। जुलाई 2021 में सूचीबद्धता के बाद रकम जुटाने की यह अहम कवायद है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 29 नवंबर की बैठक में 252.62 रुपये प्रति शेयर के भाव पर करीब 33.64 करोड़ शेयर जारी करने और उनके आवंटन को मंजूरी दी।

यह रकम जोमैटो की बैलेंस शीट को मजबूत बनाने और विस्तार योजना को आगे बढ़ाने के इरादे से जुटाई गई है क्योंकि क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा गहरा रही है। इसमें से 2,137 करोड़ रुपये का इस्तेमाल ब्लिंकइट के डार्क स्टोरों और वेयरहाउस के नेटवर्क के विस्तार में किया जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही तक फर्म के पास 10,800 करोड़ रुपये की नकदी थी। नए फंड से यह बढ़कर 19,300 करोड़ रुपये हो जाएगी।

रकम जुटाने के दौर से कंपनी के देसी स्वामित्व में भी इजाफा हुआ है। इसे नीतिगत दृष्टिकोण से विदेशी स्वामित्व से संबंधित किसी तरह के उतारचढ़ाव से बचने के प्रयास के रूप में जा रहा है। क्यूआईपी के बाद घरेलू शेयरधारिता 50 फीसदी से थोड़ी कम होगी।

रकम जुटाए जाने के कार्यक्रम में घरेलू म्युचुअल फंड की मजबूत भागीदारी देखी गई। मोतीलाल ओसवाल ने1,700 करोड़ रुपये से अधिक के निर्गम में 21 प्रतिशत फीसदी हिस्सा लिया तो आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने 13 फीसदी। अन्य निवेशकों में एचडीएफसी म्युचुअल फंड का 8.68 फीसदी और कोटक फंड का 5.95 फीसदी निवेश शामिल है।

ज़ोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा था कि प्रतिस्पर्धी परिदृश्य और बड़े पैमाने पर हमारे कारोबार को देखते हुए हमारा मानना है कि हमें अपना नकद शेष बढ़ाने की जरूरत है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम अपने उन प्रतिस्पर्धियों के साथ बराबरी के मैदान पर हैं जो अतिरिक्त पूंजी जुटाना जारी रखे हुए हैं।

वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में ज़ोमैटो का कर पश्चात लाभ (पीएटी) पांच गुना बढ़कर 176 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो एक साल पहले की इसी अवधि में 36 करोड़ रुपये था। हालांकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में कर पश्चात लाभ 253 करोड़ रुपये से 30 फीसदी कम था। इसका परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 69 फीसदी बढ़कर दूसरी तिमाही में 4,799 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 2,848 करोड़ रुपये था। पिछली तिमाही में उसने 4,206 रुपये का राजस्व कमाया था।

जोमैटो का क्यूआईपी ऐसे समय में आया जब घरेलू संस्थागत निवेशक भारत में तेजी से बढ़ रहे क्विक कॉमर्स सेक्टर पर भारी दांव लगा रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल के प्राइवेट वेल्थ डिवीजन ने इस महीने जेप्टो की तरफ से जुटाए गए 35 करोड़ डॉलर की अगुआई की थी क्योंकि कंपनी अपने साथ ज्यादा देसी निवेशकों को जोड़ना चाहती थी। कंपनी अगले साल सूचीबद्ध हो सकती है।

नई सूचीबद्ध फूड डिलिवरी फर्म स्विगी में भी आईपीओ से पहले कई घरेलू निवेशकों मसलन एसबीआई म्युचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड, कोटक म्युचुअल फंड, ऐक्सिस म्युचुअल फंड और एचडीएफसी लाइफ ने बतौर ऐंकर निवेशक रकम लगाई है जिसने 5,085 करोड़ रुपये जुटाए।

आरआईएल, एयरटेल ने बढ़ाया बाजार, एफपीआई की बिकवाली में नरमी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 29 नवंबर

सूचकांक दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और टेलीकॉम क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त के कारण शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांकों में 1 फीसदी का इजाफा हुआ। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली में नरमी से भी रिकवरी में मदद मिली।

पिछले सत्र में एफपीआई की 11,756 करोड़ रुपये की निकासी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी। शुक्रवार को विदेशी फंडों ने 4,384 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थानों ने 5,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। सेंसेक्स 759 अंक यानी 0.96 फीसदी चढ़कर 79,803 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 इंडेक्स 223 अंक यानी 0.93 फीसदी की बढ़त के साथ 24,138 पर बंद हुआ। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के मजबूत प्रदर्शन और एमएससीआई के पुनर्संतुलन के चलते मिले लाभ के कारण दोनों सूचकांक सप्ताह के अंत में लगभग 1 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। नवंबर के निचले स्तर से 3.7 फीसदी की उछाल के बावजूद निफ्टी ने फरवरी 2023 के बाद पहली बार लगातार दूसरे महीने घाटा दर्ज किया और नवंबर में इसमें 0.3 फीसदी की गिरावट आई। सेंसेक्स, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक महीने की समाप्ति मामूली बढ़त के साथ करने में कामयाब रहे।

घरेलू ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के अपग्रेड के बाद भारती एयरटेल के शेयर में 4.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। टेलीकॉम क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी दोनों की बढ़त में शीर्ष पर रही और बढ़त में इसका योगदान भी सबसे ज्यादा रहा जिसके बाद आरआईएल रहा जिसमें 1.7 फीसदी का इजाफा हुआ।

इस महीने निफ्टी 27 सितंबर को दर्ज की गई अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई से 10 फीसदी की फिसलन के साथ गिरावट वाले जोन में चला गया था। तेज गिरावट कंपनियों की कमजोर आय वृद्धि और निरंतर एफपीआई की निकासी कीर चिंताओं के कारण हुई थी।

वालफोर्ट पीएमएस के सह-संस्थापक प्रबंधक देवांग काबरा ने कहा कि बाजार में मौजूदा उथल-पुथल तकनीकी सुधार के साथ-साथ एफपीआई की अत्यधिक बिक्री के बावजूद घरेलू म्यूचुअल फंडों के अस्थिर निवेश के कारण हुआ है। घरेलू फंड मैनेजर शायद बेहतर भावों का इंतजार कर रहे हैं जो इस समय मुश्किल हो सकता है। इसलिए हम अगले 6-12 महीनों तक सीमित दायरे वाला बाजार देखना जारी रख सकते हैं ताकि कमाई मूल्यांकन के बराबर हो जाए।

अदाणी समूह के 10 शेयरों में से नौ शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें अदाणी ग्रीन 22 फीसदी और अदाणी एनर्जी 16 फीसदी चढ़ा। समूह की अधिकांश कंपनियों ने समूह के प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ अमेरिका के आरोपों के कारण हुए घाटे की भरपाई कर ली है। समूह ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात सकारात्मक रहा और 2,347 शेयर चढ़े जबकि 1,606 में गिरावट आई।

शेयर बाजार निचले स्तर से उबरता लग रहा है : वुड

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 29 नवंबर

जेफरीज के वैश्विक प्रमुख (इक्विटी रणनीति) क्रिस्टोफर वुड ने कहा है कि पिछले कुछ हफ्तों में आई तेज गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार निचले स्तर से उबर सकता है। वुड ने ग्रीड ऐंड फियर में निवेशकों को लिखे साप्ताहिक नोट में कहा है कि इस बात की जायज संभावना है कि गिरावट के बाद भारतीय बाजार निचले स्तर से उबर रहे हैं। यह गिरावट मुख्य रूप से अधिक महंगे मिड-कैप शेयरों में हुई है। निजी बैंकों के संबंध में एक सकारात्मक बात यह है कि जमा और ऋण के समान दर से बढ़ने के साथ ही नकदी का दबाव कम हो गया है।

27 सितंबर, 2024 के 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 85,978 से एसऐंडपी बीएसई सेंसेक्स अब तक लगभग 6,200 अंक या लगभग 7.1 फीसदी फिसल गया है। 30 शेयरों वाला सूचकांक कुछ हद तक उबरने से पहले इस चरम स्तर से 10 फीसदी से अधिक की नरमी के साथ में गिरावट के दौर में फिसल गया था।

मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट तेज थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 24 सितंबर के शिखर से 12 फीसदी गिरकर 12 नवंबर को हाल के निचले स्तर पर आ गया था। तब से इसमें 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी इंडेक्स 27 सितंबर के शिखर से 11.5 फीसदी नीचे जो 21 नवंबर को बना था। तब से इसमें 2.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

इस बीच, विदेशी निवेशकों ने पिछले दो महीनों में 12.5 अरब डॉलर की भारतीय इक्विटी बेची है। लेकिन घरेलू निवेश में जारी मजबूती उनकी बिक्री बेअसर हो गई। वुड ने लिखा कि हकीकत में तो अक्टूबर में इक्विटी म्युचुअल फंड में रिकॉर्ड निवेश आया जबकि इससे एक माह पहले से ही शेयर बाजार गिर रहे थे।

एक निवेश रणनीति के रूप में वुड ने अमेरिका में सूचीबद्ध ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमाईट्रिप में भारत के लॉन्ग-ओनली पोर्टफोलियो में 4 फीसदी भार के साथ निवेश किया है। उन्होंने कहा, इसमें निवेश रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और लार्सन ऐंड टुब्रो (एलऐंडटी) में मौजूदा निवेश को क्रमशः 3 फीसदी और 1 फीसदी कम करके किया जाएगा। उन्होंने भारती एयरटेल में अपना निवेश एक फीसदी बढ़ा दिया है, जिसके लिए रकम ज़ोमैटो के निवेश में कटौती से आएगी।

महाराष्ट्र के नतीजे आश्चर्यजनक

उनका मानना है कि महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत एक चौंकाने वाला नतीजा थी, जो बेहद लोकप्रिय महिलाओं को नकदी देने की योजना के कारण संभव हुई। उन्होंने कहा कि महिला मतदाताओं को लक्षित करना और महिला केंद्रित नीतियां अपनाना नरेंद्र मोदी सरकार की विशेषता रही है।

उन्होंने कहा, इसमें संदेह नहीं है कि भाजपा की जीत चौंकाने वाली थी क्योंकि सितंबर में जब ग्रीड ऐंड फीयर ने जेफरीज के भारत सम्मेलन में हिस्सा लिया था तो हर कोई भाजपा की हार का अनुमान जता रहा था।

प्री-आईपीओ के 1.2 लाख करोड़ रु. के शेयरों से दो महीने में पाबंदी हटेगी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 29 नवंबर

नुवामा इंस्टिट्यूशनल ने एक नोट में कहा है कि 50 कंपनियों के करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये के शेयरों से पाबंदी यानी लॉक इन अवधि अभी से लेकर 31 जनवरी के बीच समाप्त हो जाएगी। हाल के हफ्तों या महीनों में बाजार में उतरने वाली कंपनी के ज्यादातर शेयर प्रवर्तकों, रणनीतिक निवेशकों या सूचीबद्धता पूर्व रहे शेयरधारकों के पास हैं। जिन शेयरों की लॉक अप अवधि अगले दो महीनों में समाप्त होने वाली है, उनमें फूड डिलिवरी फर्म स्विगी (3 फीसदी इक्विटी), शापूरजी पलोनजी समूह की एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर (5 फीसदी) और सरकारी स्वामित्व वाली नवीकरणीय ऊर्जा फर्म एनटीपीसी ग्रीन (2 फीसदी) शामिल है।

एक्सपायरी की अवधि खत्म होने से भी कुछ वैश्विक सूचकांकों में इन शेयरों का वेटेज अधिक हो सकता है

लॉक-इन अवधि की समाप्ति का इन कंपनियों पर असर पड़ सकता है क्योंकि कुछ निवेशक हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर सकते हैं। एक्सपायरी की अवधि खत्म होने से भी कुछ वैश्विक सूचकांकों में इन शेयरों का वेटेज अधिक हो सकता है। नुवामा ने कहा कि यह मूल्य लॉक-अप वाले शेयरों के बिक्री से संबंधित है लेकिन ये सभी शेयर बिक्री के लिए नहीं आएंगे क्योंकि इन शेयरों का एक बड़ा हिस्सा प्रवर्तक और समूह के पास भी है। आईपीओ से पहले एंकर श्रेणी में निवेशकों को आवंटित आधे शेयरों पर 30 दिन का लॉक-अप होता है जबकि बाकी आधों में 90 दिन का। इस बीच, प्री-लिस्टिंग वाले कुछ शेयर छह, 12 या 18 महीने के लॉक-अप के दायरे में हो सकते हैं।

एनवायरो इन्फ्रा 49 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

जल शोधन संयंत्र एवं सीवेज प्रणाली से जुड़ी परियोजनाओं के विकास में शामिल एनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 148 रुपये से करीब 49 फीसदी उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 47.29 फीसदी की बढ़त के साथ 218 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 57.77 फीसदी की बढ़त के साथ 233.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 48.64 फीसदी चढ़कर 220 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,751.95 करोड़ रुपये रहा। एनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स के 650 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को पेशकश के अंतिम दिन गत मंगलवार को 89.90 गुना आवेदन मिले थे। मूल्य दायरा 140-148 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। *भाषा*

प्रपत्र बी
सार्वजनिक उद्घोषणा
(इन्सॉल्वैन्सी एंड बैंकरप्सी (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12)
जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ

क्र.सं.	ब्यौरा	विवरण
1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	01 अप्रैल 1992
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट देनदार को निगमित / पंजीकृत किया गया है	कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय, आरओसी - मुंबई
4.	कॉर्पोरेट देनदार की कॉर्पोरेट पहचान संख्या / सीमित देयता पहचान संख्या	L99999MH1992PLC066213
5.	कॉर्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय और मुख्य कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	**जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड** **पंजीकृत कार्यालय:** वाणिज्यिक भवन, द्वितीय तल, प्लॉट संख्या सी-68, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (पूर्व), मुंबई, बांद्रा (पूर्व), मुंबई, महाराष्ट्र, भारत, 400051
6.	दिवालियापन समाधान प्रक्रिया के समापन की तिथि	26 नवंबर, 2024
7.	कॉर्पोरेट देनदार के परिसमापन प्रारंभ की तिथि	26 नवंबर, 2024
8.	परिसमापक के रूप में कार्य करने वाले दिवालियापन पेशेवर का नाम और पंजीकरण संख्या	श्री सतीश कुमार गुप्ता IBBI/IPA-001/IP-P00023/2016-17/10056
9.	परिसमापक का पता और ई-मेल, जैसा कि बोर्ड के पास पंजीकृत है	फ्लैट नं. 17012, बिल्डिंग नं. 17, फेज़ 2, कोहिनूर सिटी, कोहिनूर अस्पताल के पास, एलबीएस रोड, कुर्ला, मुंबई, महाराष्ट्र - 400070 satishg19@outlook.com
10.	परिसमापक के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता और ई-मेल	**जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड** यूनिट नं. 401 से 407, चौथा तल, स्टर्लिंग सेंटर, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी पूर्व, मुंबई – उपनगरीय, महाराष्ट्र-400069। liquidation.jet@gmail.com दावे प्रस्तुत करने के लिए ईमेल आईडी: jetairways.claims@gmail.com
11.	दावे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	26 दिसंबर, 2024

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, मुम्बई बेंच ने 26.11.2024 को जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।
जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड के हितधारकों से अनुरोध है कि वे 26 दिसंबर, 2024 तक या उससे पहले मद संख्या 10 में उल्लिखित पते पर परिसमापक को प्रमाण के साथ अपने दावे प्रस्तुत करें।
वित्तीय क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धत्ति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी स्टेकधारक व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जायेगा।
यदि कोई हितधारक परिसमापन प्रक्रिया के दौरान अपने दावे प्रस्तुत नहीं करता है, तो भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अंतर्गत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान ऐसे हितधारक द्वारा प्रस्तुत दावे धारा 38 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए माने जाएंगे।
दिनांक: 30-11-2024
स्थान : मुम्बई
हस्ता/-
सतीष कुमार गुप्ता

ड्रेजिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : कोर–2, प्रथम तल, "स्कोप मीनार",
प्लॉट नंबर 2ए और 2बी, लक्ष्मीनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, दिल्ली– 110091
सीआईएन : L29222DL1976PLC008129
वेबसाइट : www.dredge-india.com **ई–मेल** : kalabhinetri@dcil.co.in

पोस्टल बैलट नोटिस और रिमोट ई–वोटिंग सूचना

प्रिय सदस्यगण,
एतद्द्वारा कम्पनी अधिनियम, 2013, ("अधिनियम") की धारा 108 के साथ पठित धारा 110 के प्रावधान और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 और 22 (किसी भी वैधानिक संशोधन(नों) अथवा उनके पुनर्अधिनियमन(नों) सहित, जो अस्थायी रूप से लागू हैं), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमावली, 2015 ("सेबी एलओडीआर विनियमावली"/"सूचीबद्धता विनियमावली") के विनियम 44, भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान द्वारा सामान्य बैठकों के संबंध में जारी सचिवीय मानक ("एसएस–2") तथा अधिनियम के अन्य प्रावधान, जो वर्तमान में लागू हैं तथा समय–समय पर संशोधित किए गए हैं, के अनुपालन एवं अनुसरण में तथा कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") द्वारा सामान्य बैठकें आयोजित करने/ई–वोटिंग के माध्यम से डाक मतदान प्रक्रिया संचालित करने के लिए जारी परिपत्रों सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांकित 8 अप्रैल, 2020, 17/2020 दिनांकित 13 अप्रैल, 2020, 22/2020 दिनांकित 15 जून, 2020, 33/2020 दिनांकित 28 सितंबर, 2020, 2020, 39/2020 दिनांकित 31 दिसंबर, 2020, 02/2021 दिनांकित 13 जनवरी, 2021, 10/2021 दिनांकित 23 जून, 2021 20/2021 दिनांकित 08 दिसंबर, 2021, 02/2022 दिनांकित 5 मई, 2022 11/2022 दिनांकित 28 दिसंबर, 2022 और 09/2023 दिनांकित 25 सितंबर, 2023 क्रमशः **("एमसीए परिपत्र")** के अनुसार, उसी के दृष्टिगत, नीचे दिए गए कार्यों को इलेक्ट्रॉनिक साधनों **("रिमोट ई–वोटिंग")** के माध्यम से मतदान द्वारा पोस्टल बैलट के माध्यम से प्रस्ताव पारित करते हुए यहां नीचे सूचीबद्ध कार्य निष्पादित करने हेतु ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड **("कम्पनी")** के सदस्यों की सहमति लेने का प्रस्ताव किया गया है।
अधिनियम की धारा 102(1) के प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों तथा नियमों के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण, जिसमें इस डाक मतदान सूचना में उल्लिखित प्रस्तावों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्य सूचीबद्ध किए गए हैं, एतद्सह संलग्न है।
विशेष कार्य
मद संख्या 1: कम्पनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ (अतिरिक्त प्रभार) और केएमपी के रूप में श्री दुर्गेश कुमार दुबे, आईआरटीएस (डीआईएन : 09207436) की निदेशक पदावधि का 15–04–2025 तक विस्तार करना।
निम्नलिखित प्रस्ताव पर विचार करना और यदि उचित समझा जाए, तो संशोधन के साथ या बिना संशोधन के, एक साधारण प्रस्ताव के रूप में **पारित करना :**
"प्रस्ताव किया गया कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 152, धारा 196, धारा 203 के साथ पठित कम्पनी (निदेशकों की नियुक्ति और योग्यता) नियमावली, 2014, कम्पनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 और कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्य लागू प्रावधानों (जिनमें कोई वैधानिक संशोधन या पुनः अधिनियमन शामिल है), कम्पनी के संस्था के अंतर्नियमों के प्रावधान, सेबी (एलओडीआर) 2015 और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की संस्तुति दिनांकित 25–03–2024, कम्पनी के निदेशक मंडल के अनुमोदन दिनांकित 25–03–2024 तथा शेयरधारकों की डाक मतदान द्वारा स्वीकृति दिनांकित 30–05–2024 के अनुसार श्री दुर्गेश कुमार दुबे, आईआरटीएस जिन्हें 16–04–2024 से कम्पनी के बोर्ड और कम्पनी के केएमपी में प्रबंध निदेशक एवं सीईओ (ए/सी) के रूप में नियुक्त किया गया है, उनकी नियुक्ति की अवधि को तब तक बढ़ाया जाए और बढ़ाया जाता है जब तक कि कोई नया पदाधिकारी प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेता अथवा 16–10–2024 से प्रभावी छह महीने की अवधि के लिए अर्थात 15–04–2025 तक, जो भी पहले हो, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अथवा तीन महीने के भीतर डाक मतदान के माध्यम से नियमितीकरण, जो भी पहले हो, के अधीन होगा।"

1. कोविड–19 महामारी से उत्पन्न खतरे के कारण तथा एमसीए परिपत्रों में निर्दिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार, कम्पनी अपने सभी सदस्यों, जिन्होंने कम्पनी, उनके रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट या डिपॉजिटरी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ अपने ई–मेल पते पंजीकृत किए हैं, को यह सूचना केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप में भेज रही है और सदस्यों की सहमति/असहमति की सूचना केवल रिमोट ई–वोटिंग सिस्टम के माध्यम से प्राप्त की जाएगी।
2. इसके अलावा, चूंकि पोस्टल बैलेट एमसीए परिपत्रों के अनुपालन में शुरू किया जा रहा है, अतः इस पोस्टल बैलेट के लिए, सदस्यों को पोस्टल बैलेट फॉर्म और प्रीपेड बिजनेस रिप्लाई लिफाफे के साथ सूचना की भौतिक प्रति नहीं भेजी जाएगी।
3. कम्पनी के निदेशक मंडल ने 13 नवंबर 2024 को आयोजित अपनी 360वीं बैठक में श्री दुर्गेश कुमार दुबे, आईआरटीएस को 16–10–2024 से 15–04–2025 तक कम्पनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी है। सेबी (एलओडीआर) के अनुसार, निदेशक की नियुक्ति की तिथि से तीन महीने के भीतर शेयरधारकों द्वारा नियुक्ति का अनुमोदन किया जाना है। चूंकि आगामी आम बैठक इन तिथियों से तीन महीने के भीतर निर्धारित नहीं है, इसलिए शेयरधारकों की मंजूरी कम्पनी अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार डाक मतदान द्वारा मांगी जाएगी।
4. कम्पनी ने रिमोट ई–वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए एनएसडीएलल की सेवाएं अनुबंधित की हैं। एमसीए परिपत्रों के अनुसार, सदस्य केवल रिमोट ई–वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से ही मतदान कर सकते हैं। तदनुसार, कम्पनी सहर्ष अपने सभी सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालने के लिए रिमोट ई–वोटिंग सुविधा प्रदान कर रही है। सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस पोस्टल बैलेट नोटिस में दिए गए अनुदेश पढ़ें ताकि वे 30 दिसंबर 2024 को शाम 5:00 बजे (इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालने का अंतिम दिन) तक अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक रूप से डाल सकें, ताकि वे वैध मान्य हो सकें।
5. रिमोट ई–वोटिंग सुविधा रविवार, 1 दिसंबर 2024 को सुबह 9.00 बजे आईएसटी से शुरू होगी और सोमवार, 30 दिसंबर 2024 को शाम 5.00 बजे आईएसटी समाप्त होगी।
6. केवल वह व्यक्ति रिमोट ई–वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होगा, जिसका नाम कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर में या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए लाभार्थी मालिकों के रजिस्टर में शुक्रवार, 22 नवंबर 2024 ("कट–ऑफ तिथि") को दर्ज मौजूद है।
7. कोई भी व्यक्ति जो नोटिस इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजे जाने के बाद कम्पनी के शेयर प्राप्त करता है और कम्पनी का सदस्य बन जाता है और कट–ऑफ तिथि यानी शुक्रवार, 22 नवंबर 2024 को शेयर धारक है, वह helpdesk@nsdl.co.in, evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर यूजर–आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है।
8. एनएसडीएल द्वारा 30 दिसंबर 2024 को शाम 5.00 बजे के बाद वोटिंग के लिए रिमोट ई–वोटिंग मॉड्यूल निष्क्रिय कर दिया जाएगा और सदस्यों को उक्त तिथि और समय के बाद इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
9. रिमोट ई–वोटिंग से संबंधित प्रश्नों और शिकायतों के मामले में सदस्य श्री वीरेंद्र शर्मा, प्रबंधक (आरटीए), मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड [(यूनिटः ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड)] अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, 205–208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110055, भारत, +91–11–42541234 (एल), (डब्ल्यू) www.alankitassignments.com (ई) rta@alankit.com से संपर्क कर सकते हैं।
10. भौतिक मोड/डीमैटेरियलाइज्ड मोड में शेयरधारक सदस्य, जिन्होंने कम्पनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ अपने ईमेल पते पंजीकृत /अपडेट नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे सदस्य द्वारा अपना नाम, पता, फोलियो नंबर, कम्पनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ रखे गए शेयरों की संख्या का उल्लेख करते हुए विधिवत हस्ताक्षरित पत्र की स्कैन की गई प्रति और साथ में पैन कार्ड की स्व–सत्यापित प्रति और निम्नलिखित दस्तावेजों में से एक आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, उपयोगिता बिल या भौतिक मामलों में पते के प्रमाण के समर्थन में कोई अन्य सरकारी दस्तावेज श्री वीरेंद्र शर्मा, प्रबंधक (आरटीए), मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड (यूनिटः ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड), अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, 205–208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली– 110055, भारत, +91–11–42541234 (एल), (डब्ल्यू) www.alankitassignments.com, (ई) rta@alankit.com को भेजकर इसे पंजीकृत /अपडेट करें।
11. मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स के श्री सचिन अग्रवाल, प्रैक्टिसिंग कम्पनी सेक्रेटरी (सदस्यता संख्या 5774) को रिमोट ई–वोटिंग प्रक्रिया की जांच करने के लिए जांचकर्ता नियुक्त किया गया है और श्री सचिन अग्रवाल की अनुपस्थिति में सुश्री अंजलि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से रिमोट ई–वोटिंग प्रक्रिया की जांच करने के लिए जांचकर्ता होंगी।
12. यदि प्रस्ताव स्वीकृत हो जाते हैं, तो उन्हें ई–वोटिंग की अंतिम तिथि यानी सोमवार, 30 दिसंबर 2024 को पारित माना जाएगा।
13. जांचकर्ता की रिपोर्ट के साथ घोषित परिणाम प्रस्तावों के पारित होने के 48 घंटे के भीतर कम्पनी की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे और साथ ही सभी संबंधितों की जानकारी के लिए स्टॉक एक्सचेंजों को भी सूचित किए जाएंगे।

बोर्ड के आदेश द्वारा
कृते ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
हस्ता./–
(पी. चंद्र कलाभिनेत्री)
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
स्थान: विशाखापत्तनम
दिनांक : 30–11–2024